Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 48, मंगलवार, 13 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

नरेश अग्रवाल ने थामा भाजपा दामन, बोले- फिल्मों में काम करने वालों के लिए मुझे नकारा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सांसद नरेश अग्रवाल सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। नरेश अग्रवाल ने दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं रेल मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में संसद के उच्च सदन में नामांकन के लिए उनसे ज्यादा फिल्म कलाकारों को तवज्जो दी गई। अग्रवाल ने कहा कि मेरी तुलना फिल्मों में काम करने वालों से की गई। मुझे फिल्मों में काम करने वालों के लिए नकारा गया। मुझे यह उचित नहीं लगा। उन्होंने फिल्म अभिनेत्री व राज्यसभा सांसद जया बच्चन के फिर से राज्यसभा चुनाव में नामांकन के संदर्भ में यह बात कही।

सड़क हादसों में पांच की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के द्वारका जिले में दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि मुखर्जीनगर में हुए सड़क हादसों में दो अन्य की मौत हो गई। पुलिस ने सभी शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए हैं और केस दर्ज मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक धर्मेंद्र और अशोक को द्वारका सेक्टर 28 में स्कर्पियो कार ने टक्कर मारी दी, जबकि राकेश नामक व्यक्ति को जाफरपुर कलां इलाके में फर्च्यूनर कार ने रौंद दिया। द्वारका सेक्टर 28 में धर्मेंद्र और अशोक बाइक पर घर जा रहे थे। धम्रेंद्र सागरपुर इलाके में किराए के मकान में रहता था, जबकि अशोक ब्रह्मपुरी इलाके में सपरिवार रहता था। पुलिस के मुताबिक दोनों फ्लिपकार्ट कंपनी में एक साथ नौकरी करते थे और अक्सर साथ में ही ड्यूटी पर आते-जाते थे। रविवार तड़के सुबह साढ़े तीन बजे काम खत्म कर लौटते वक्त दो स्कॉर्पियो गाड़ी ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे दूसरे युवकों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस की टीम दोनों को नजदीकी अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरे मामले में जाफरपुर कलां थाना इलाके में एक बेकाबू फर्च्यूनर ने बाइक सवार को कुचल दिया। मृतक राकेश नजफगढ़ इलाके के कैर डिपो से अपनी ड्यूटी खत्म कर घर वापस लौट रहा था।तभी हादसा हुआ। वहीं दूसरी ओर मुखर्जी नगर में रविवार सुबह एक आई-20 कार डिवाइडर से टकराने के बाद ट्रैफिक सिग्नल के खंभे से जा टकराई। कार में पांच डीयू व एमिटी के छात्र थे। पुलिस ने सभी को काफी मशक्कत के बाद कार से बाहर निकलकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने दो को मृत घोषित कर दिया, जबकि तीन की हालत गंभीर बताई गई है। केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जांच में पुलिस को लग रहा है कि महिला चालक दीक्षा नशे में थी। मरने वालों की पहचान रितेश और सिद्धात के रूप में हुई है, जबकि घायलों में तीन लड़कियां एमिटी की छात्राएं बताई जाती हैं। घायल दीक्षा व राशि की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार शनिवार रात सभी छात्र कहीं पर पार्टी मनाने गए थे। वापस लौटते समय कार की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर के बाद कार काफी दूर तक पलटी। जिसमे सभी फंस गए थे। मृतकों में एक पीतमपुरा तथा दूसरा सोनीपत का रहने वाला था।

दो गुटों में झड़प कई लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। शकरपुर स्थित गणोश नगर इलाके में शनिवार देर रात दो गुटों में जमकर बवाल हुआ। पथराव में कई लोग घायल भी हो गए जबकि कई गाड़ियों के शीशे भी टूट गए। पुलिस के मुताबिक भारती और हरिशंकर दोनों ही अपने परिवारों के साथ गणोश नगर के कृष्णा गली में रहते हैं। वर्ष 2010 में भारती ने हरिशंकर को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था। तभी से इन दोनों गुटों में विवाद चल रहा है। पुलिस के मुताबिक शनिवार देर रात को भारती गली में पहुंचा और जोर-जोर से गाली-गलौज करने लगा। लोगों ने इसका विरोध किया तो उसके घर के सदस्यों ने गली में खड़े लोगों पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों गुट आमने-सामने आ गए। पथराव में कई लोगों को चोट लगी साथ ही दर्जनभर गाडियों के शीशे भी टूट गए। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने क्रॉस एफ्आईआर दर्ज कर दोनों गुटों के तीन-तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। रविवार को कोर्ट में पेशी होने के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

खुद पैरों से अक्षम विद्या ने न जाने कितने ही बच्चों को बना दिया समक्ष

उदयपुर | खुद पैरों से अक्षम विद्या ने न जाने कितने ही बच्चों को समक्ष बना दिया है। दोनों पैरों से दिव्यांग होने के बाद भी विद्या व्हीलचेयर पर बच्चों को पढ़ा रही हैं। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय टांक में 2013 से अध्यापक विद्या मोहल्ले के बच्चों को भी निशुल्क पढ़ाती हैं। उन्होंने अपनी शारीरिक कमजोरी को कभी आड़े नहीं आने दिया। सुबह जब वह स्कूल आती है तो सभी बच्चे व प्रिसिंपल समेत पूरा स्टॉफ गेट पर लेने पहुंच जाते हैं। इससे पहले विद्या ग्राम सचिव भी रह चुकी हैं।

सहाराश्री गरीबों के मसीहा : शकील सैफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सहारा इंडिया परिवार के प्रबंध कार्यकर्ता एवं चेयरमैन सहाराश्री सुब्रत राय सहारा जी गरीब तबके के लोगों के लिए बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। अब तक सुना था कि मदर टेरेसा गरीबों की मसीहा थीं और उन्होंने गरीबों के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया, इसी तरह सहाराश्री भी देशभर में गरीबों के उत्थान में जुटे हैं। ये बात रविवार को लोधी रोड स्थित इंडिया इस्लामिक सेंटर में वर्ल्ड पीस हारमनी के पुरस्कार वितरण समारोह में संगठन के अध्यक्ष मो. शकील सैफी ने कही। वर्ल्ड पीस हारमनी के सौजन्य से इंडियन इस्लामिक सेंटर में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष मो. शकील सैफी ने की। इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री दीपादास मुंशी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. शकील अहमद, पूर्व सांसद महाबल मिश्रा, राशिद अल्वी, पूर्व मिस यूनिवर्स एवं फिल्म अभिनेत्री लारा दत्ता ने शिरकत की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को अवार्ड से नवाजा गया।

कंवर्जन शुल्क जमा करने पर भी दुकानें हुई सील : माकन

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि जिन दुकानदारों ने कनवर्जन शुल्क जमा कर दिया है उनकी दुकानें भी सील हुई हैं। 30-35 साल पुरानी दुकानों पर कार्रवाई हुई है। कानून बनाने वाली सरकार खुद कानून तोड़ेगी तो क्या होगा? उन्होंने कहा कि 9 बार मास्टर प्लान में संशोधन हुआ है। कांग्रेस ने दिल्ली में सीलिंग नहीं होनी दी। हमने केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कहा कि मास्टर प्लान में समाधान है लेकिन उसे देखने वाला कोई नहीं है। सुप्रीम कोर्ट तक असली बात रखने वाला कोई नहीं है। केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और तीनों नगर निगम सुप्रीम कोर्ट में क्यों नहीं कहते कि सीलिंग अवैध है? उन्होंने कहा कि वर्ष 2012 में हमने सुप्रीम कोर्ट में बताया था तो कोर्ट ने मान लिया और मॉनिटरिंग कमेटी को निरस्त कर दिया।

विजेंद्र गुप्ता ने केजरीवाल से पूछे पांच सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों को सीलिंग से बचाने के लिए कोई ठोस कदम उठाने की बजाए मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल हर रोज नया पैतरा बदल रहे हैं। अब उन्होंने 13 मार्च को अपने निवास पर सर्वदलीय बैठक बुलाने का नया नाटक रचा है। उन्होंने केजरीवाल से पांच सवाल किए।1- दिल्ली में सीलिंग पिछले तीन महीने से जारी है। केजरीवाल बताएं कि व्यापारियों को सीलिंग से राहत देने के लिए उन्होंने कौन से ठोस कदम उठाए हैं? 2-केजरीवाल सीलिंग मामले को लेकर अभी तक सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं गए ? मुख्यमंत्री होने के नाते क्या उनकी व्यापारियों के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है? 3- 351 सड़कों पर सीलिंग से राहत देने की उपराज्यपाल द्वारा 8 फरवरी को मंजूरी देने के बाद से केजरीवाल ने अभी तक राहत के लिए अध्यादेश क्यों नहीं निकाला? फाइल को क्यों दबाए बैठे हैं? 4- मुख्यमंत्री कभी भूख हड़ताल करने, धरने पर बैठने, बैठक बुलाने की बात करते हैं लेकिन उन्होंने आज तक मॉनिटरिंग समिति से मिलकर व्यापारियों को राहत देने के बारे में कोई बात क्यों नहीं की? मॉनिटरिंग समिति के सामने जाने से क्यों डर रहे हैं केजरीवाल ?5- जनवरी 2018 में उन्होंने मुख्यमंत्री आवास पर बातचीत करने गए नेता प्रतिपक्ष पर गुंडों से हमला क्यों करवाया था ? यदि वह सीलिंग को लेकर गंभीर होते तो नेता प्रतिपक्ष पर हमला करवाने की बजाए बातचीत कर कोई समाधान निकालते।

योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

ऋषिकेश (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट की तबियत अचानक खराब होने के बाद उन्हें देहरादून के जौलीग्रांट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम को योगी आदित्यनाथ के पिता की तबियत खराब होने पर उन्हें यमकेश्वर के पंचूर गांव से जौलीग्रांट के हिमालयन अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया। जहां चेकअप के बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया है। हालांकि, अभी उनकी बीमारी के बारे में कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं।

अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी अनूप रावत ने आनंद सिंह बिष्ट के अस्पताल में भर्ती होने की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि आनंद सिंह बिष्ट को डिहाइड्रेशन की शिकायत थी। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों की देखरेख में आनंद सिंह बिष्ट का इलाज चल रहा है। बता दें कि योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट अपने गांव यमकेश्वर के पंचूर में रहते हैं। योगी के पिता उत्तराखंड में फॉरेस्ट रेंजर पद से 1991 में रिटायर होने के बाद अपने गांव में ही रहते हैं।

यूपी बोर्ड परीक्षा 2018 : इंटरमीडिएट की परीक्षा खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी बोर्ड परीक्षा 2018 सोमवार को समाप्त हो गई। अंतिम दिन दूसरी पाली में इंटर औद्योगिक संगठन (द्वितीय प्रश्नपत्र) का पेपर हुआ। 13 मार्च को उन विषयों की पुन: परीक्षा होनी है जो सामूहिक नकल या पेपर आउट होने के कारण निरस्त की गई थीं। नकल विहीन परीक्षा के लिए इस साल की गई सख्ती के कारण रिकॉर्ड सवा 11 लाख छात्र-छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी। शनिवार तक बोर्ड मुख्यालय को मिली ऑनलाइन सूचना के मुताबिक 1124509 छात्र-छात्राएं परीक्षा छोड़ चुके हैं। यूपी बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन 16-17 मार्च से शुरू होगा। कॉपियों का मूल्यांकन सीसीटीवी की निगरानी में होग। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने ये निर्देश देते हुए यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाओं को बेहतर ढंग से कराए जाने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि टॉप 20 परीक्षार्थियों की कॉपियां ऑनलाइन की जाएगी। मूल्यांकन केंद्र के 200 मीटर की परिधि में मैनेजमेंट के लोगों का प्रवेश निषेध होगा। एग्जाम संपन्न होने से छात्र-छात्राओं को परीक्षा की टेंशन से मुक्ति मिली है। चेहरे खिल उठे हैं। हंसते हुए चेहरे केंद्रों से बाहर निकले। परीक्षा की थकान उतारने के लिए परीक्षार्थी अब मौज मस्ती करेंगे। कोई सेर सपाटे पर जाएगा। तो कोई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेगा। अप्रैल माह में यूपी बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि पहले हाईस्कूल का रिजल्ट आएगा, इसके बाद इंटरमीडिएट का रिजल्ट घोषित किया जाएगा।

यूपी में एनकाउंटर के जरिए वापस आ रहा कल्याण राज : तीस्ता

अलीगढ़। मानवाधिकार कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ ने कहा है कि यूपी में एनकाउंटर के जरिये कल्याण राज एक बार फिर वापस आ रहा है।

पुलिस अपराध रोकने की आड़ में खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रही है। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में स्टूडेंट यूनियन की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित वूमेन एचीवमेंट मीट-2018 में बतौर मुख्य अतिथि तीस्ता सीतलवाड़ ने कहा कि राजनीतिक ताकतें हम पर हावी होती जा रही हैं। हमें इनसे बचकर रहना होगा। उन्होंने कांग्रेस की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि 70 साल में कांग्रेस ने जो काम किए, वह सभी के सामने हैं। कांग्रेस कार्यकाल में मानवाधिकार आदि को लेकर कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। उन्होंने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह नहीं चाहती कि अलग-अलग ताकतें मानवाधिकार को लेकर आगे बढ़ें। हम इस्लाम के लिए तो लड़ रहे हैं, लेकिन हमें इस्लाम के साथ दलित और किसान के लिए भी लड़ना होगा। महिलाओं का तबका अपने अधिकारों के लिए आगे नहीं आया तो परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने लोकशाही को जकड़कर रखा हुआ है। उत्तर प्रदेश की बात करते हुए तीस्ता ने कहा कि यहां दोबारा कल्याण राज आ रहा है। एनकाउंटर के नाम पर कानून को हाथ में लिया जा रहा है। दहेज का मामला कभी नहीं उठाया गया। कई राज्य तो ऐसे हैं जहां लड़कियों को पैदा होने से पहले ही उनको मार दिया जाता है।

अयोध्या कांड के बाद ज्यादा शिक्षित हुई मुस्लिम बेटियां

एएमयू में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ ने यह भी कहा कि अयोध्या कांड के बाद मुस्लिम बेटियों का रुझान पढ़ाई के प्रति बढ़ा है। बेटियां पढ़ाई में अव्वल होते हुए ज्यादा शिक्षित हुई हैं।

मुसलमान, दलित और किसान को मिलकर करना होगा संघर्ष

तीस्ता सीतलवाड़ ने कहा कि हमें कुछ हासिल करना हैं और भविष्य बेहतर चाहते हैं तो मुसलमान, दलित और किसान को साथ मिलकर सड़कों पर आना होगा। सभी एक साथ मिलकर संघर्ष करेंगे तभी परेशानियां कम हो सकती हैं।

एएमयू स्टूडेंट यूनियन की मिली आजीवन सदस्यता

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी पहुंची तीस्ता सीतलवाड़ को स्टूडेंट यूनियन की ओर से आजीवन सदस्यता प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर तीस्ता सीतलवाड़ को यह सदस्यता प्रदान की गई है।

30 साल बाद किसी महिला को मिली सदस्यता

एएमयू छात्र संघ की ओर से तीस वर्ष बाद किसी महिला को आजीवन सदस्यता दी गई है। 30 वर्ष पूर्व मदर टेरेसा को यह सदस्यता प्रदान की गई थी।

»» अफसरों का जवाबः आवास पर नहीं थे सीएस

चीफ सेक्रेटरी ने बजट से जुड़ी फाइल रिसीव करने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फाइल रिसीव ने करने के संबंध में दिल्ली सरकार के अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। एक अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जिस समय फाइल भेजी गई थी उस समय सीएस अपने घर पर नहीं थे। उनके आवास पर यह नहीं बताया गया कि फाइल बजट से जुड़ी है। ऐसे में आवास पर तैनात कर्मियों ने फाइल सोमवार को भेजने को कह दिया। सूत्र का कहना है कि फाइल बजट से जुड़ी है तो उसे वित्त विभाग को भेजना चाहिए था। साथ ही फाइल को टेबल करना बहुत जरूरी था तो दिल्ली सरकार के अधिकतर सचिव शनिवार रात आठ बजे तक मौजूद रहे। दिल्ली सरकार और अधिकारियों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। दिल्ली सरकार का आरोप है कि बजट से जुड़ी बेहद अहम फाइल को मुख्य सचिव ने रविवार को छुट्टी होने की बात करते हुए रिसीव करने से इनकार कर दिया है। बजट सत्र शुरू होने से कुछ दिनों पहले मुख्य सचिव के इस रवैये पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जाहिर की है। मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों का कहना है कि फाइल स्वास्थ विभाग से संबंधित है। इसमें मोहल्ला क्लीनिक व पॉली क्लीनिक के निर्माण समेत स्वास्थ क्षेत्र की दिल्ली सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में संबंधित अधिकारियों की बजटीय जिम्मेदारी तय करने से जुड़ी थी। मौजूदा वित्तीय वर्ष में दिल्ली सरकार बजट तैयार करने के इनोवेटिव कान्सेप्ट पर काम कर रही है। सभी बड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने व उसकी उपयोगिता के बारे में सदन को बताया जाएगा। इससे विधानसभा ज्यादा प्रभावी तरीके से सरकार पर निगरानी रख सकेगी और सरकार का उत्तरदायित्व सदन के प्रति तय हो सकेगा। मसलन, बड़े प्रोजेक्ट का कैबिनेट नोट तैयार होने से लेकर उसके पूरा होने तक की तिथिवार प्रगति का ब्योरा तैयार करना है। इसी तरह की सारी डिटेल सरकार सदन में रखेगी। मोहल्ला क्लीनिक व पॉली क्लीनिक के बारे में भी इसी तरह की फाइल तैयार होनी है। इसमें इनके निर्माण, चिकित्सकों की तैनाती, इनकी शुरु आत आदि का विवरण होगा। मुख्यमंत्री की अपेक्षा है कि मुख्य सचिव को इसके क्रियान्वयन पर ध्यान देना चाहिए। रविवार सुबह यह फाइल मुख्य सचिव को भेजी गई है। एक फाइल के बारे में मुख्यमंत्री का सवाल था कि जब अलग-अलग विभागों से 800 मोहल्ला क्लीनिक बनाने का एनओसी मिल गया है तो स्वास्थ विभाग ने अभी तक क्यों 243 नए मोहल्ला क्लीनिक के निर्माण का संभावित समय दिया है।

इसके अलावा इसमें कोई दूसरा ब्योरा नहीं है। वहीं, पॉलीक्लीनिक का ब्योरा भी आधा-अधूरा है। मुख्यमंत्री का कहना है कि मुख्य सचिव दोनों मामलों में यह सुनिश्चित करें कि बजटीय अपेक्षाओं के अनुसार फाइल तैयार की जाए।

हंसी के साथ समय गुजारने का अर्थ है ईर के साथ समय गुजारना। यानी हंसी में है सबसे बड़ी खुशी
-जापानी कहावत

सैन्य साजो-सामान

राष्ट्रपति इमैन्युअल मैक्रॉन की चार दिवसीय भारत यात्रा के दौरान जो 14 समझौते हुए, उनके दूरगामी महत्त्व से कोई इनकार नहीं कर सकता। वास्तव में मैक्रॉन की इस यात्रा पर दुनिया के सभी प्रमुख देशों की नजर लगी हुई है। अगर परिणाम देखिए तो रक्षा क्षेत्र में जो समझौता हुआ, उसे हर दृष्टि से ऐतिहासिक कह सकते हैं। आखिर दोनों देशों की सशस्त्र सेनाएं द्वारा एक दूसरे के सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल और सैन्य साजो-सामान का आदान प्रदान करने का समझौता हमने और कितनी शक्तियों से साथ किया है? अमेरिका के बाद फ्रांस ही अकेला ऐसा देश है, जिसके साथ यह समझौता हुआ है। दोनों देशों की सेनाएं, साजो-सामान की आपूत्तर से लेकर युद्ध अभ्यास, प्रशिक्षण, मानवीय सहायता और आपदा कायरे आदि में भी सहयोग करेंगी। इसका एक महत्त्वपूर्ण बिंदू समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा, जल पोतों की निगरानी और जल सव्रेक्षण के संबंध में सहयोग है। साफ है कि दोनों देश अपने नौसेना अड्डे को एक-दूसरे के लिए खोलेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने साझा पत्रकार वार्ता में कहा भी कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच साजो-सामान सहयोग समझौता स्वर्णिम कदम है। चीन इसे अपने विरुद्ध घेरेबंदी की कोशिश के तौर पर देख सकता है, लेकिन इस समझौते का निशाना कोई एक देश नहीं भविष्य की सुरक्षा चुनौतियां हैं। फ्रांस एक प्रमुख रक्षा शक्ति तो है ही, उसकी समुद्री ताकत का लोहा भी दुनिया मानती है। जाहिर है, उसने यदि भारत को समान महत्त्व दिया है तो इसका अर्थ है कि भारत की बढ़ती रक्षा शक्ति को उसने स्वीकार किया है। अगर समझौता हुआ है और उसके अनुसार सहयोग आगे बढ़ता है तो यह हिन्द प्रशांत क्षेत्र के रक्षा परिदृश्य में कुछ तो बदलाव करेगा। कोई देश यदि अपनी रक्षा ताकत की बदौलत इस क्षेत्र पर दबदबा बना रहा है, दूसरे के समुद्री क्षेत्र को जबरन अपने कब्जे में लाने पर अड़ा हुआ है तो उसे रास्ते पर लाने के लिए दुनिया में शांति और सहअस्तित्व चाहने वाले देशों को समझौते की डोर से बंधते हुए रक्षा क्षेत्र में सहयोग करना ही होगा। हालांकि फ्रांस और भारत के संबंध केवल रक्षा क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं। समझौतों में शिक्षा से लेकर पर्यटन, रेलवे के आधुनिकीकरण, अंतरिक्ष में सहयोग, पर्यावरण,व्यापार आदि जीवन से जुड़े कई पहलू शामिल हैं। इस तरह दो सामरिक साझेदारों के बीच बहुआयामी संबंधों के विकास एवं उनके आधारों को सुदृढ़ करने का प्रयास हुआ है।

''पारस्परिक शुल्क''

अमेरिकी मोटरसाइकिल कंपनी हार्ले डेविडसन की बाइक के आयात पर भारत में लगने वाले शुल्क को लेकर उसकी त्यौरियां चढ़ी हुई हैं और पिछले दिनों स्पष्ट लफ्जों में वह अपनी नाराजगी जाहिर भी कर चुका है। अब उसने भारतीय स्टील और अल्युमिनियम के अमेरिका में होने वाले आयात को लेकर फिर से धमकी दे डाली है। उसकी ताजा धमकी में केवल भारत ही नहीं, बल्कि चीन, कनाडा, बाजील समेत 12 देश शामिल हैं, जिनके स्टील आयातों पर उच्च शुल्क और ''पारस्परिक शुल्क'' लगाए जाने की ट्रम्प सरकार ने धमकी दी है। अमेरिका का यह बिगड़ा मिजाज भारत के स्टील उद्योग के लिए चिंता का एक बड़ा सबब बन सकता है। दरअसल, स्टील उत्पादन के वर्तमान स्तरों को देखते हुए नियंतण्र व्यापार में उत्पन्न होने वाली कोई भी बाधा स्टील उद्योग को परेशानी में डाल सकती है, जिससे नियंतण्र कीमतों में कमी आ सकती है। भारत के लिए भी यह खासा नुकसानदायक साबित हो सकता है क्योंकि वैसी सूरत में उसके बाजार सस्ते आयातों से पट जाएंगे और घरेलू उत्पादकों पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। ट्रंप सरकार का मानना है कि दुनिया के तमाम देश अमेरिकी कंपनियों या उसके उत्पादों के साथ उचित बर्ताव नहीं करते यानी अमेरिकी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाते हैं। ट्रंप के सत्ता में काबिज होने के पहले ही वर्ष में ऐसे देशों के उत्पादों पर ''पारस्परिक शुल्क' लगाने का खाका तैयार कर लिया गया है। उसका मानना है कि इससे उसके लिए ''निष्पक्ष व्यापार' की स्थिति बनेगी। अमेरिका की ढिठाई का इससे बड़ा नमूना क्या हो सकता है कि उसने केवल 12 दशों से आने वाले स्टील आयातों को ही अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना है और उन पर ही पारस्परिक शुल्क लगाने की धमकी दी है। क्या पनामा, पेरू जैसे अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले स्टील आयातों से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा पैदा नहीं होता? भारत फिलहाल ''देखो और इंतजार करो' की राह पर है। अमेरिका ने इस बाबत कोई अंतिम फैसला नहीं किया है, केवल धमकी भर दी है। अगर वह ऐसा कोई कदम उठाता है तो भी भारत विव व्यापार संगठन के सामने इसकी फरियाद कर सकता है और इसका सर्वमान्य निदान प्राप्त कर सकता है।

सत्संग

शिक्षा का चिरस्थायी प्रभाव

मुख्य उद्देश्य बालकों में मानवोचित संस्कार डालकर उन्हें सुसंस्कारित करके समाज का उपयोगी एवं सुयोग्य नागरिक बनाना है। विद्या वह है जो हमें मुक्त कर दे। जीवन से नहीं वरन अज्ञानता, अंधविास, कुरीतियों, बुराइयों, भेदभाव, घृणा, वैमनस्य, दुर्भाव आदि से। बच्चों या शिष्यों को जो भी हम सिखाएं हमें स्वयं भी अपने जीवन में उसका पालन करना चाहिए। चाहे उसकी आवश्यकता न हो तब भी, अन्यथा हमारी शिक्षा का चिरस्थायी प्रभाव नहीं होगा। आज की शिक्षण संस्थाएं विशुद्ध व्यावसायिकता में लिप्त हो गई हैं, उनका भी बच्चों को मानवता का पाठ पढ़ाने, उनके चारित्रिक उत्थान में, उन्हें संस्कारित बनाने की दिशा में योगदान नगण्य हो रहा है। हमें बच्चों के सर्वांगीण विकास का सार्थक प्रयास करना है और हम ऐसा कर सकते हैं। स्वयं को निर्बल, असहाय व असमर्थ न समझें अपितु निराभिमान होकर प्रभु स्मरण करते हुए सही दिशा में प्रयास करें तो कुछ भी असंभव नहीं है। जिस कार्य को किसी एक ने भी किया है उसे हम भी कर सकते हैं क्योंकि वह कार्य पहले भी किया गया है वह हो सकता है। वह असंभव नहीं कठिन हो सकता है। हमें नन्हें दीपक से प्रेरणा लेनी चाहिए। जब सूर्य पहली बार अस्ताचल की ओर यह कहते हुए चलने लगे कि मेरे बाद हर ओर अंधकार छा जाएगा लोग ठोकरें खाएंगे, कौन उबारेगा उन्हें अंधकार से? कौन उन्हें ठोकरों से बचाएगा? और कोई नहीं तब एक नन्हा-सा दीपक उठकर कहने लगा कि ''हे सूर्यदेव! माना कि मेरे अंदर आपके बराबर प्रकाश, सामर्थ और बल नहीं है, लेकिन आप निश्चिंत होकर प्रकृति के नियमों का पालन करते हुए आगे बढ़ें। जब तक आप नहीं लौटेंगे मैं तिल-तिल कर जलता रहूंगा। अपने घर को अंधेरे में रख लूंगा, लोगों का उपहास सहन कर लूंगा, लेकिन अंधकार को चीरकर लोगों को ठोकरों से बचाने की कोशिश जरूर करूंगा।' आप सब भी दीपक जैसा उत्साह, परोपकारी भावना हृदय में रखकर बच्चों को संस्कारित बनाने वाली, उन्हें सुयोग्य नागरिक बनाने वाली शिक्षा दे सकते हैं। वर्तमान शिक्षा पण्राली दोषपूर्ण है। यह शिक्षा नहीं, जिसने हमें माता-पिता, गुरु जनों, बुजुगरे, संस्कृति, शास्त्रों व राष्ट्र का सम्मान करना भुला दिया है।

''गरीबी हटाओ' के नारे

जेटली का तर्क है कि यदि आंध्र को विशेष राज्य का दर्जा दे दिया गया तो नीतीश कुमार का क्या होगा? यूं भी तमिल भाषी धमका चुके हैं कि तेलगु भाषी के प्रति ऐसी यारी से दक्षिण में भौगोलिक खाई गहराएगी। मगर चंद्रबाबू के सोलह लोक सभा संसद मोदी के लिए जरूरी हैं, राज्य सभा में भाजपा के लिए।नई राजधानी अमरावती के निर्माण में 33 हज़ार करोड़ रु पये आंध्र ने मांगे थे । वित्त मंत्री ने केवल ढाई हजार करोड़ दिए। पिछड़े अंचल रायलसीमा (बुंदेलखंड, बस्तर जैसा) के नगर कडुप्पा में इस्पात प्लांट की मांग उठी है, जेटली ने इनकार कर दिया क्योंकि विशाखापतनम में एक है। तेलुगु देशम के सामने आर्थिक दिक्कतों से कहीं अधिक राजनैतिक जटिलता पेश आ रही है।

सतीश पेडणोकर

चंद्रबाबू नायडू उन्नीस पड़ गए। नरेन्द्र मोदी बीस रहे। देवेगौड़ा से मनमोहन सिंह तक सभी प्रधानमंत्रियों को इस पर्वतनुमा क्षत्रप ने ऊंट बना दिया था। बाजी आज कुछ बदली है। हालांकि भाजपा को बंगाल की खाड़ी के पूर्वात्तर छोर (त्रिपुरा) में चुनावी जीत से मिली दमक दक्षिणी छोर पर आई इस लघु सुनामी से धूमिल पड़ गई। लोक सभा में आंध्र के पच्चीस सदस्य हैं। इतने ही कुल पूर्वोत्तर (सातों राज्य) के सांसद हैं। इन दोनों पलड़ों में समतोल मोदी कर नहीं पा रहे हैं। शायद कर लेते यदि पसंग के रोल में उनके वित्त मंत्री अरुण जेटली चंद्रबाबू के विपरीत तराजू की डंडी न झुका देते। जेटली का तर्क है कि यदि आंध्र को विशेष राज्य का दर्जा दे दिया गया तो नीतीश कुमार का क्या होगा? यूं भी तमिल भाषी धमका चुके हैं कि तेलगु भाषी के प्रति ऐसी यारी से दक्षिण में भौगोलिक खाई गहराएगी। मगर चंद्रबाबू के सोलह लोक सभा संसद मोदी के लिए जरूरी हैं, राज्य सभा में भाजपा के लिए।नई राजधानी अमरावती के निर्माण में 33 हज़ार करोड़ रु पये आंध्र ने मांगे थे । वित्त मंत्री ने केवल ढाई हजार करोड़ दिए। पिछड़े अंचल रायलसीमा (बुंदेलखंड, बस्तर जैसा) के नगर कडुप्पा में इस्पात प्लांट की मांग उठी है, जेटली ने इनकार कर दिया क्योंकि विशाखापतनम में एक है। तेलुगु देशम के सामने आर्थिक दिक्कतों से कहीं अधिक राजनैतिक जटिलता पेश आ रही है। मोदी कैबिनेट से इस्तीफा दे चुके वाईएस चौधरी ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी किसी भी गैरभाजपाई गठबंधन में शामिल नहीं होगी क्योंकि वहां आधे दर्जन लोग प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं। कांग्रेस विरोध की लहर से जन्मी तेदेपा राहुल गांधी की हमजोली नहीं बनेगी। तो अब रहेगी कहां? तेदेपा के लिए संकट की घड़ी 21 मार्च को आएगी, जब उसके धुर प्रतिस्पर्धी वाईएसआर कांग्रेस के जगन मोहन रेड्डी मोदी सरकार में अविास का प्रस्ताव लोक सभा में पेश करेंगे। जगन मोहन ने चंद्रबाबू से समर्थन मांगा है। अर्थात न उगले न निगले वाली दशा हो गई है। कांग्रेस ने इस तेलंगानारूपी भस्मासुर को जन्माया था और वर दिया था। इस विपदा को भारत के साथ सागरतटीय आंध्र भी भुगत रहा है, अर्थात तेलंगाना वाले विषय का सम्यक विश्लेषण हो तभी आंध्र के प्रश्न का समाधान हो सकता है । केंद्रीय सत्ता और राष्ट्रीय पार्टियां तेलंगाना के कारण सियासी बवंडर से ग्रसित हैं। इतिहास और भूगोल फिर टकराए हैं। यूं भी इतिहास तो तेलंगाना सदियों से बनाता, बदलता और बिगाड़ता रहा है। जब इंदिरा गांधी ने अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव (18 फरवरी 1973) को बर्खास्त कर दिया था तो हैदराबाद में संवैधानिक अजूबा हो गया था। कांग्रेस की बहुमतवाली सरकार को हटाकर आंध्र प्रदेश पर राष्ट्रपति शासन थोपने का कारण यही था कि तटीय आंध्र के विधायकों ने तेलंगानावासी नरसिम्हा राव के विरुद्ध हिंसक आंदोलन छेड़ा था। पुलिस की गोलीबारी में 350 प्रदर्शनकारी मारे गए थे। कानून और व्यवस्था के ध्वंस हो जाने का आधार बनाकर तेलुगूभाषी राष्ट्रपति वराहगिरी वेंकटगिरी ने धारा 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। सारा घटनाक्रम जगजाहिर है। मगर भारत के हित में निष्पक्ष तौर पर तेलंगाना में इस बारम्बार घट रहे प्रहसन पर गौर करना चाहिए था। दलगत खिलवाड़, सियासी दांवपेच और तेलुगूभाषियों को भिड़ाने की यह साजिश कोई नई नहीं है। तेलंगाना तो महज मोहरा रहा, राजनीतिक चौसर पर। दिल्ली के सत्ता संघर्ष में इसका खास किरदार हो गया है। वर्षो पहले इंदिरा गांधी ने पृथकतावादी आंदोलन पर काबू पाने के लिए एक प्रचलित तरीका अपनाया। आंदोलनकारी नेता डॉक्टर मीं चन्ना रेड्डी को पुचकार कर लखनऊ में राज्यपाल मनोनीत कर दिया। ''गरीबी हटाओ' के नारे के कारण पांचवीं लोक सभा (1971) में अपार बहुमत प्राप्त करने वाली कांग्रेस पार्टी भारत में अगर कहीं हारी, तो बस तेलंगाना क्षेत्र में। तब यहां नवगठित तेलंगाना प्रजा समिति ने पंद्रह में से दस लोक सभा सीटें कांग्रेस से छीन ली थीं। समिति को मंझधार में छोड़कर इंदिरा कांग्रेस में शामिल होने वाले चन्ना रेड्डी की जमानत जब्त हो गई। पहले इंदिरा के युग का हो क्योंकि तभी केंद्र के समक्ष तेलंगाना एक कठोर चुनौती बन कर उभरा था। निष्ठुर सत्ताधारियों ने तब निर्ममता से आंचलिक अरमानों को कुचला था। तटीय आंध्र और तेलंगाना वाले इलाके के कांग्रेसियों के बीच वर्चस्व की लड़ाई विशाल आंध्र प्रदेश (1 नवम्बर 1956) बनने के पांच वर्षो में हो चल पड़ी थी। इसे धार दिया एक सामान्य सी घटना ने, जिसका सीधा नाता श्रमजीवी पत्रकार यूनियन से था। तब रॉयलसीमा क्षेत्र के विधायक नीलम संजीव रेड्डी मुख्यमंत्री थे। उनका पत्रकारों से छत्तीस का रिश्ता था। विजयवाड़ा में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने तेलंगाना के विधायक और राज्य सूचना मंत्री नरसिम्हा राव को अपने अधिवेशन में मुख्य अतिथि बनाया। संजीवा रेड्डी नहीं चाहते थे कि उनका कोई मंत्री इन पत्रकारों का साथ दें। परिणाम में नरसिम्हा राव से सूचना विभाग छीना गया। उन्हें जेल विभाग का मंत्री बना दिया गया। तभी से विग्रह का बीजारोपण हो गया था। इसके अंकुरित और पल्लवित होने में चार वर्ष लग गये। जब संजीव रेड्डी को केंद्रीय काबीना में शामिल कर लिया गया, तो तेलंगाना के विलय के समय हुए समझौते के बावजूद तटवर्ती आंध्र के ही कासु ब्रह्मानंद रेड्डी को मुख्यमंत्री बनाया गया। फिर एक बार तेलंगाना ठगा गया। उस वक्त राजनीतिक मंच पर उभरे डॉ. मीं चन्ना रेड्डी तेलंगाना के बड़े नेता थे। तेलंगाना प्रजा समिति बनाकर पृथक तेलंगाना राज्य का संघर्ष छेड़ा। ब्रह्मानंद रेड्डी उनके पुराने शत्रु थे। तभी कांग्रेस पार्टी विभाजन की कगार पर आ गई थी। राष्ट्रपति पद पर संजीव रेड्डी को पार्टी प्रत्याशी प्रस्तावित करने के बाद भी इंदिरा गांधी ने उन्हें पराजित करा दिया। अपने चहेते तेलुगूभाषी वी.वी. गिरी को अप्रत्यक्ष रूप से मदद कर इंदिरा गांधी ने जितवा दिया। कांग्रेस से निष्कासित और तेलंगाना प्रजा समिति के नेता चन्ना रेड्डी के सांसदों और विधायकों का समर्थन वी.वी. गिरी के लिए जुटाने के लिए इंदिरा ने चन्ना रेड्डी की शत्रे स्वीकारी कि अगला मुख्यमंत्री तेलंगाना क्षेत्र का ही होगा। नरसिम्हा राव को अवसर मिला। ब्रह्मानन्द रेड्डी तब केंद्रीय काबीना में शामिल हो गए।

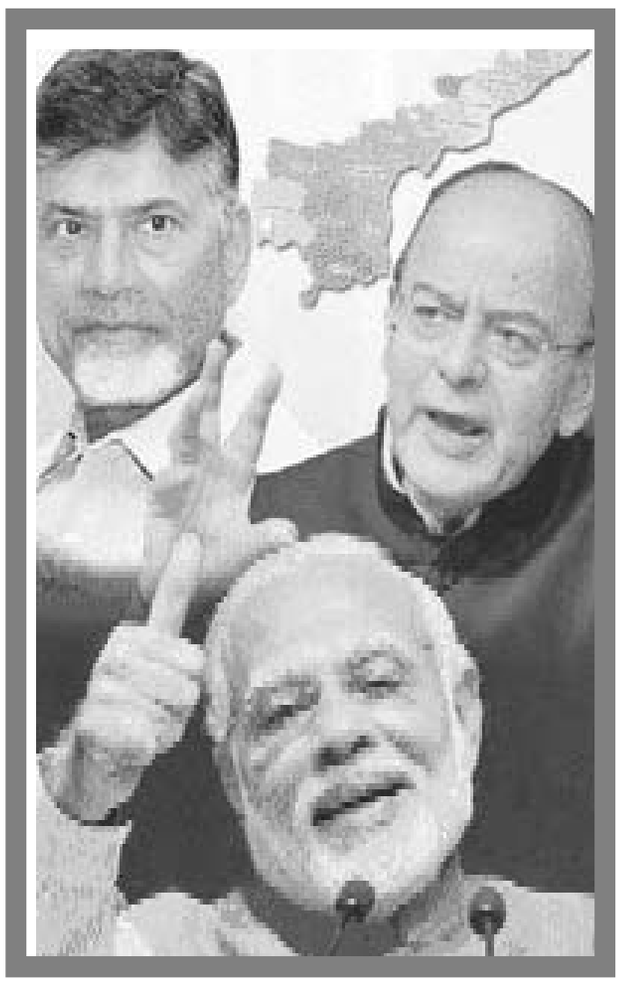

चलते चलते

''विकास के लिए हम'

यह सवाल इसलिए क्योंकि देश के अति पिछड़े जिलों के विकास में उम्रदराज जिलाधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बड़ी बाधा बताया है। प्रधानमंत्री ने यह विचार संसद के केंद्रीय कक्ष में ''विकास के लिए हम' विषय पर सांसदों और विधायकों को संबोधित करते हुए।

वाकई देश के उम्रदराज जिलाधिकारी काम के मामले में पीछे हैं? यह सवाल इसलिए क्योंकि देश के अति पिछड़े जिलों के विकास में उम्रदराज जिलाधिकारियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बड़ी बाधा बताया है। प्रधानमंत्री ने यह विचार संसद के केंद्रीय कक्ष में ''विकास के लिए हम' विषय पर सांसदों और विधायकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया। मोदी ने देश के 115 जिलों में 80 फीसद उम्रदराज अधिकारियों की तैनाती पर हैरानी जताई, क्योंकि जिलाधिकारी की औसत आयु 27-30 होती है। सबसे अहम है कि उन्होंने विकास के लिए सीधे केंद्रीय लोक सेवा से चुने गए अधिकारियों को ही जिले की कमान देने की बात कही। यानी प्रोन्नति पाए अधिकारियों को जिले की कमान न दी जाए। अपने पक्ष के तर्क में उन्होंने 40 पार के अधिकारियों के परिवार और कॅरियर से संबंधित समस्याओं को रेखांकित किया। कार्यपालिका के संदर्भ में तो प्रधानमंत्री का विचार स्वागतयोग्य है। प्रशासनिक समझ रखने वाले शायद ही इन विचारों से असहमत हों। जिलाधिकारी अपने जिले के विकास कायरे का नेतृत्व करता है। जिले की विकास की रफ्तार से सीधा नाता होता है। जिलाधिकारी कार्यपालिका का हिस्सा है। कार्यपालिका विधायिका के निर्णयों को लागू करती है। तो सवाल यह भी उठता है कि जिन पिछड़े जिलों का प्रतिनिधित्व वहां के जनप्रतिनिधि कर रहे हैं, क्या उनकी उम्र पर बात नहीं होनी चाहिए? पिछले दो दशकों से राजनीति में उम्र की सीमा तय करने को लेकर बहस जारी है। पश्चिमी देशों में जब राजेनता अपने देश का नेतृत्व कर रहे होते हैं, तब अपने देश में पहली बार लोग सांसद बनते हैं। एक युवा देश के लिए विडंबना ही है कि जहां पहली लोक सभा में सांसदों की औसत उम्र 46 साल थी, वहीं वर्तमान 16 वीं लोक सभा में यह 56 है। योगी आदित्यनाथ और देवेंद्र फड़णवीस को छोड़ दें तो तकरीबन मुख्यमंत्री 50 पार के हैं। वैसे प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल के लिए 70 की उम्र सीमा तय कर बेहतर विजन दिखाया है। कब्र में पैर रहने के बावजूद सत्ता का मोह नहीं छोड़ने वाले नेताओं से विधायिका अटी पड़ी है। इस सोच को अब कानून की सीमा में बांधने का समय आ गया है। क्योंकि उम्र आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है।

फोटोग्राफी...

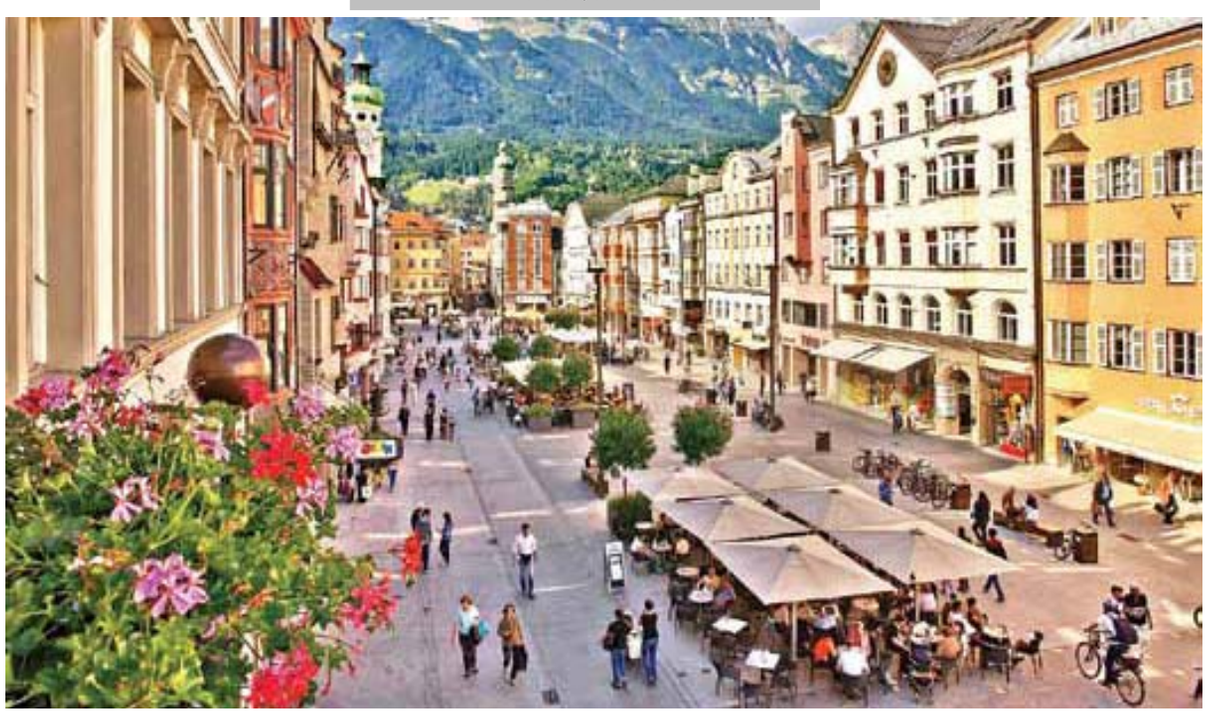

यह फोटो एल्प्स की राजधानी कहे जाने वाले इन्सब्रक शहर (ऑस्ट्रिया) के सिटी सेंटर का है, जहां कई अंतरराष्ट्रीय स्टोर हैं। आमतौर पर लोग पैदल ही घूमना पसंद करते हैं। चारों तरफ एल्प्स पर्वत श्रृंखला के ऊंचे पहाड़ हैं, जिससे पूरा वातावरण बहुत खुशनुमा लगता है। यहां गर्मियां शुरू होने वाली हैं, इसलिए लोगों ने पर्यटकों के स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। सिटी सेंटर का यह फोटो क्रिस्टोफ लैक्नर ने क्लिक किया है। वे बताते हैं कि यहां गर्मियां अनिश्चित होती हैं। किसी दिन दोपहर का तापमान 17 डिग्री भी हो सकता है तो कभी 31 डिग्री। बारिश कभी भी हो जाती है, लेकिन अक्टूबर के बाद यहां बर्फबारी शुरू हो जाती है, जो फरवरी तक होती है। कई बार मौसम इतना सर्द होता है कि घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। इसके एक तरफवि एना तो दूसरी तरफ क्यू रिख है। एडवेंचर, विंटर स्पोर्ट्स और सांस्कृतिक महत्व के कारण इस शहर को 'कैपिटल ऑफ एल्प्स' कहा गया है। standard.co.uk

द्वीप की भूमि समुद्री

भारती पर ताप बढ़ने के संकेत तेजी से मिल रहे हैं। इसका सीधा असर डूबते शहरों में देखने को मिल रहा है, सागर के भीतर जमीन समाने लगी है। जैसे किरिबाती द्वीप की भूमि समुद्री सतह से कुछ ही फुट की दूरी पर है। हाल ही के अध्ययनों में पाया गया कि 1880 से अब तक बीस से पचीस सेंटीमीटर भूमि पानी में समा गई है। मालदीव को भी इसी तरह किसी दिन समुद्र लील सकता है। पृवी जैसे-जैसे गरम होगी, ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगेंगे। पिघली बर्फ समुद्र का आयतन बढ़ाएंगे और मनुय के रहने लायक थल जल में होंगे। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे चल रही है, पर आने वाले समय में ताप बढ़ने से यह तेज हो जाएगी। ऐसे दृश्य आज हमारे सामने हैं। दुनिया के शीर्ष 90 वैज्ञानिक प्रकाशकों ने-जो इस क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं- समुद्री सतह के बढ़ने का अध्ययन कर रहे हैं। उनका मानना है कि 2100 और 2300 के बीच पृवी का ताप बढ़ती स्थिति में होगा, ऐसे बढ़ते तापक्रम को रोकने के प्रयास कर पूर्व औद्योगिकीकरण के ताप 2 डिग्री सेल्सियस तक कम करने की कोशिश की जानी चाहिए। एक देश जो हवाई के दक्षिण में 1200 मील की दूर और आस्ट्रेलिया से 3800 मील उत्तर पूर्व में है, उसने 6 हजार एकड़ जमीन फिजी के पास खरीदी है, ताकि अपने नागरिकों को कठिन समय में वहां खाद्य सुरक्षा के साथ बसा सके। अनुसंधानों से पता चल रहा है कि मौसम परिवर्तन से ग्रीनलैंड में बर्फ की पर्त तेजी से पिघल रही है। 2012 में सैटेलाइट के अध्ययन से पाया गया कि सतह की 98.6 प्रतिशत बर्फ पिघल चुकी थी। मुंबई, कोलकाता सहित दुनिया के 10 बड़े शहरों का डूबने का खतरा सागर की सतह के उठने से होगा। इसमें हांगकांग, ढाका, जकार्ता, हनोई, न्यूयार्क और थाईलैंड की राजधानी भी खतरे के कगार पर है। यानी 4 डिग्री सेल्सियस ताप बढ़ने से सीधे 47 से 76 करोड़ लोग प्रभावित होंगे। चीन में साढ़े चौदह करोड़ लोगों का जीवन प्रभावित होगा। विश्व बैंक के अनुसार आज दुनिया के 136 तटीय शहरों का प्रतिवर्ष 1 ट्रिलियन डालर का नुकसान हो रहा है। वातावरण में कार्बन की सांद्रता पर संयुक्त राष्ट्रसंघ की एक एजेंसी ने बताया कि 30 से 50 लाख वर्ष पहले समुद्र की सतह आज की अवस्था से 20 मीटर ऊंची थी। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार 2016 के वर्ष में वातावरण में कार्बन की सांद्रता आठ लाख वर्ष पूर्व जैसी थी। यानी इस वर्ष कार्बन डाईआक्साइड की औसत ग्लोबल सांद्रता 403.3 प्रति पार्ट लाख थी। जबकि 2015 में 400.00 प्रति पार्ट लाख थी। यह सब मानव गतिविधि और एल नीनो के कारण माना गया। पिछले दस साल के औसत में यह 50 फीसद बढ़ा। कार्बन डाईआक्साइड का लेवल वातावरण में औद्योगिक क्रांति के बाद ही बढ़ा। यानी इसकी बढ़त सीधे 145 फीसद तक हुई। इसी तरह वातावरण में 1750 के बाद मीथेन 257 और नाइट्रसआक्साइड 122 फीसद बढ़ी। यह भी देखने में आया कि कार्बन डाईआक्साइड का स्तर वातावरण में 70 सालों में 100 फीसद बढ़ा है। विश्व के मौसम वैज्ञानिक संगठन ने जीवाश्म अध्ययन से पाया कि 30 से 50 लाख वर्ष पहले भी कार्बनडाईआक्साइड की सांद्रता वातावरण में ऐसी ही थी, तब समुद्र की सतह 20 मीटर ऊंची थी। बिजली की खपत इसमें हो रही है। साथ ही कितने ही तरह की तरंगों से वातावरण को प्रदूषित करने में यह आगे रहेगा। जर्नल आफ क्लीनर प्रोडक्शन के अध्ययन में पाया गया कि 2020 तक सबसे खतरनाक डिवाइस स्मार्टफोन होगा। हमें समझना चाहिए कि कहां और कैसे इस धरा को आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रख पाएं? कितनी ही दीवारें खड़ी कर दें, पानी को रोक पाना मुश्किल होगा। भविष्य में उथल-पुथल की प्रबल संभावनाएं हैं।

डेविस कप खिलाड़ी युकी ने दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी को हराया

इंडियन वेल्स। भारत के डेविस कप खिलाड़ी युकी भांबरी ने अपने कैरियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए दुनिया के 12वें नंबर के खिलाड़ी लुकास पोउले को हराकर इंडियन वेल्स मास्टर्स के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। दुनिया के 110वें नंबर के खिलाड़ी युकी ने नौवीं वरीयता प्राप्त फ्रांसीसी खिलाड़ी को एक घंटे 14 मिनटमें 6 . 4, 6 . 4 से हराया। युकी ने क्वालीफाइंग दौर जीतकर मुख्य ड्रा में जगह बनाई है। उनके कैरियर की यह सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने अगस्त 2017 में सिटी ओपन में गत चैम्पियन और दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी गाएल मोंफिल्स को हराकर सनसनी फैला दी थी।

उन्होंने चेन्नई ओपन 2014 में दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी फेबियो फोगनिनी को हराया था लेकिन इतालवी खिलाड़ी ने फिटनेस कारणों से कोर्ट छोड़ दिया था। इस जीत से युकी को 45 रैंकिंग अंक और 47170 डालर मिलेंगे। अब उनका सामना दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी अमेरिका के सैम क्वेरी से होगी जिन्होंने जर्मनी के मीशा ज्वेरेव को 6 . 4, 7 . 5 से हराया। रोहन बोपन्ना पुरूष युगल के पहले ही दौर में एडुआर्ड रोजर वेसलीन के साथ हारकर बाहर हो गए।

बिहार में जजों का पहला दो दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट संपन्न

पटना। बिहार में पहली बार जजों का दो दिवसीय बैडमिंटन टूर्नामेंट आज पटना के सेक्रेटेरियट स्पोर्ट्स कलब में संपन्न हो गया। बिहार न्यायिक सेवा संघ (बीजेएसए) द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्घाटन उच्चतम न्यायालय के न्यायधीश न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा द्वारा कल किया गया था जिसमें विजेताओं के बीच पुरस्कार का वितरण पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अरुण कुमार द्वारा आज किया गया ।

बीजेएसए के सचिव और जमुई व्यवहार न्यायालय के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह उपन्यायाधीश अजीत कुमार सिंह ने बताया कि इस इस टूर्नामेंट में कुल 50 प्रतिभागियों (पुरुष और महिला) ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के पुरुष एकल में न्यायिक अधिकारी शहाब कौसर विजेता और संजीव पांडेय रनर, पुरुष युगल के विजेता संजीव पांडेय एवं मिथिलेश कुमार और रनर डीएन भारद्वाज एवं नितेश कुमार, मिश्रित युगल के विजेता सारा कौसर एवं मिथिलेश कुमार और रनर प्रियशेखर एवं अजित कुमार सिंह घोषित किए गए थे। पुरस्कार देने के अवसर पर न्यायमूर्ति अरुण कुमार ने खेल और उसके फायदे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ मन रहता है तथा खेल इससे मदद करता है। इस अवसर पर बीजेएसए के अध्यक्ष न्यायधीश ञ्सेवानिवृत्त- एस सी झा, बीजेएसए संरक्षक न्यायधीश ञ्सेवानिवृत्त- राजेंद्र प्रसाद, बीजेएसए के उपाध्यक्ष पटना जिला न्यायाधीश के के त्रिपाठी भी उपस्थित थे।

भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट से बाहर हुये स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स छह अगस्त को बार विवाद मामले में सुनवाई के लिये अदालत में पेश होंगे जिस कारण से वह भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। स्टोक्स को छह अगस्त को ब्रिस्टल क्राउन कोर्ट में सुनवाई के लिये पेश होना है। इंग्लैंड के 26 वर्षीय खिलाड़ी फिलहाल न्यूजीलैंड दौरे पर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं और सोमवार को सुबह भी वीडियो लिंक से अदालत में ट्रायल के लिये पेश हुये। ब्रिस्टल में एक बार के बाहर शराब पीकर मारपीट करने के चलते स्टोक्स के खिलाफ कानूनी मामला चल रहा है। यह ट्रायल करीब एक सप्ताह तक चलेगा। इंग्लिश खिलाड़ी को गत वर्ष 25 सितंबर की इस घटना के चलते एशेज सीरीज से भी बाहर कर दिया गया था लेकिन इस महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में उनकी इंग्लिश टीम में वापसी हुई है। स्टोक्स के अलावा दो अन्य व्यक्ति रेयान अली और रेयान हेल भी गत माह ब्रिस्टल मजिस्ट्रेट अदालत में पेश हुये थे जहां उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था। एमबार्गा नाइटक्लब के बाहर हुये इस बार विवाद में स्टोक्स ने एक 27 वर्षीय व्यक्ति को कथिततौर पर बुरी तरह पीटा था जिसमें उस व्यक्ति की आंख पर गहरी चोट आयी थी। इस घटना के दौरान इंग्लैंड के अन्य खिलाड़ी एलेक्स हेल्स भी मौजूद थे।

अमेरिकी क्रिकेट संघ की भारत के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला को आईसीसी से मंजूरी नहीं

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने निष्कासित अमेरिकी क्रिकेट संघ द्वारा भारत के खिलाफ प्रस्तावित दो द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को मंजूरी देने से आज इंकार कर दिया। अमेरिकी क्रिकेट संघ को आईसीसी ने जून 2017 में निष्कासित कर दिया था। उसने अप्रैल और मई में भारतीय महिला और पुरूष टीमों के साथ द्विपक्षीय टी20 श्रृंखलाओं की मेजबानी का ऐलान किया था। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में कहा,'दोनों श्रृंखलायें अनधिकृत हैं जिन्हें बीसीसीआई या आईसीसी मंजूरी नहीं देते।' आईसीसी ने यह भी कहा कि इसमें भाग लेने वालों को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा,'यह बात खिलाडियों, मैच अधिकारियों, कोभचग और प्रबंधन स्टाफ सभी पर लागू होती है।'

चांडीमल पर दो मैचों का बैन

कोलंबो। श्रीलंका के कप्तान दिनेश चांडीमल पर बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान चार ओवर धीमी गति से डालने के लिये दो मैचों का निलंबन लगाया गया है जिसके कारण उन्हें मौजूदा निदहास ट्राफी के आखिरी दो राउंड रॉबिन मैचों से बाहर रहना पड़ेगा। मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने चांडीमल पर दो मैचों का निलंबन लगाया है और टीम के खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का 60 फीसदी जुर्माना लगाया जाएगा। शनिवार को हुये राउंड रॉबिन मैच में बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंकाई टीम समय से चार ओवर पीछे रही थी। ऑलराउंडर तिषारा परेरा बाकी दोनों मैचों में श्रीलंकाई कप्तान चांडीमल की जगह टीम का नेतृत्व संभालेंगे। बांग्लादेश के कप्तान महमूदुल्लाह पर भी मैच फीस का 20 फीसदी और बाकी टीम पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। बांग्लादेशी टीम पर एक ओवर धीमी गति से डालने के लिये यह जुर्माना लगाया गया है।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में आस्ट्रेलिया को हराया, जीत में चमके रबाडा

पोर्ट एलिजाबेथ (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने अनुशासनात्मक चिंताओं के बावजूद शानदार गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे मैच में टीम की जीत सुनिश्चित की। दक्षिण अफ्रीका को चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला के दूसरे मैच के चौथे दिन जीत के लिए 101 रन का लक्ष्य मिला था जिसे टीम ने चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। श्रृंखला के बाकी बचे दोनों मैचों के लिए प्रतिबंध झेलने वाले रबाडा (54 रन पर छह विकेट) की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलियाई टीमदूसरी पारी में 239 रन पर ऑल आउट हो गयी।

इस मामूली लक्ष्य को हासिल करने से पहले दक्षिण अफ्रीका ने भी चार विकेट गवां दिए। पहली पारी में नाबाद 126 रन बना कर जीत की नींव रखने वाले बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने दूसरी पारी में26 गेंद में28 रन बनाये। वह स्पिनर नाथन लियोन की गेंद पर शॉर्ट लेग पर कैच देकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया ने आज दिन की शुरूआत पांच विकेट पर180 रन सेकी लेकिन रबाडा ने शुरूआती तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। उन्होंने मैच में 150 रन देकर 11 विकेट झटके। 28 टेस्ट मैचों के करियर में यह चौथी बार है, जब रबाडा ने मैच में 10 या इससे अधिक विकेट लिए हैं।

मैच के पहले दिन पहले दिन आस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ को जान बूझकर कंधा मारने के कारण दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा पर प्रतिबंध लग सकता है। इस मामले में वह कल मैच रेफरी के समक्ष पेश हुए थे जिसकी सजा का आज ऐलान हो सकता है। रबाडा पर आईसीसी की आचार संहिता के लेवल दो के उल्लंघन का आरोप लगा था। रबाडा के फिलहाल अनुशासनात्मक कारणों से पांच डिमेरिट अंक हैं और आठ होने पर उन्हें अगले दो टेस्ट से बाहर होना पड़ सकता है। लेवल दो के अपराध में तीन या चार डिमेरिट अंक दिये जाते हैं। उन पर ऑस्ट्रेलिया के उपकप्तान डेविड वार्नर के साथ भी दुर्व्यवहार करने का आरोप है। मैच के तीसरे दिन वार्नर को आउट करने के बाद पह उनके चेहरे के सामने जोर से चिल्लाते हुए देखे गये।

दिन के पहले ही ओवर में रबाडा ने कल के नाबाद बल्लेबाज मिशेल मार्श को पवेलियन भेजा। उनकी गेंद पर पैट कमिंस गली में खड़े थियुनिस डि ब्रुन को कैच दे बैठे। मिशेल स्टार्क पारी में रबाडा का छठा शिकार बने, विकेटकीपर क्विंटन डिकाक ने उनका कैच लपका। लियोन का शिकार लुंगी एंगिडी ने किया तो वहीं तेजी से 17 रन जुटाने वाले जोश हेजलवुड स्पिनर केशव महाराज की गेंद पर बाउंड्री के पास कैच आउट हुए। टिम पेन 28 रन पर नाबाद रहे।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरूआत अच्छी नहीं रही लंच से ठीक पहले लियोन ने डीन एल्गर को अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया जबकि ऐडन मार्कराम (21 रन) हेजलवुड की गेंद पर स्मिथ को कैच थमा बैठे। इसके बाद पैट कमिंस ने डिविलियर्स और हाशिम अमला (27) की 49 रन की साझेदारी तोड़ी। तीन गेंद बाद इसी स्कोर पर डिविलियर्स भी चलते बने।

चेन्नईयिन एफसी और एफसी गोवा के बीच होगा कड़ा मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)।

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी और एफसी गोवा के बीच जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाली चौथी इंडियन सुपर लीग के दूसरे सेमीफाइनल के दूसरे चरण के मैच के चुनौतीपूर्ण होने की उम्मीद है। आईएसएल के दूसरे सत्र के फाइनल में दोनों टीमों का सामना हुआ था और तभी से इन दो टीमों के बीच की भिड़ंत खास होती चली गई। चेन्नई की टीम ने फाइनल में गोवा को हराकर पहली बार यह खिताब जीता था और अब एक बार फिर उसके सामने गोवा की टीम है, जिसे हराकर वह दूसरी बार फाइनल में पहुंचना चाहेगी। दोनों टीमों के बीच गोवा में खेला गया पहले चरण का मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूटा था।

चेन्नई के कोच जॉन ग्रेगरी ने इस अहम मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उस मैच का परिणाम हमारे पक्ष में जाना चाहिए था। वह काफी कठिनाई से हासिल ड्रॉ था। अवे गोल की बहुत कम अहमियत होती है। यह ऐसी चीज नहीं, जिसके बारे में सोचते हुए मैं अपना समय बर्बाद करूं। अगर हम क्लीन शीट कायम रखन में सफल रहे तो हम फाइनल में पहुंच जाएंगे लेकिन अगर वे गोल करने में सफल रहे तो सबकुछ बदल जाएगा। कई तरह की सम्भावनाएं हैं।'' उन्होंने यह साफ किया कि उनकी टीम का लक्ष्य क्लीन शीट बनाए रखना होगा लेकिन अगर गोवा ने गोल कर दिया तो फिर उनकी टीम दूसरी योजना के अनुसार खेलेगी।

ग्रेगरी ने कहा, ''हमने आपस में कुछ मैच खेले हैं और हम जानते हैं कि गोवा की टीम कितनी खतरनाक हो सकती है। अगर हम क्लीन शीट कायम रखने में सफल रहे तो फिर हम आगे चले जाएंगे। यह हमारी प्राथमिकता होगी लेकिन हम उन सारी चीजों के लिए भी तैयार हैं, जो हमारे रास्ते में आने वाली हैं। यह निश्चित तौर पर पेनल्टी शूटआउट है।''।चेन्नईयिन का डिफेंस काफी अच्छा है, जिसके चार डिफेंडरों में तीन विदेशी हैं। इस टीम ने गोवा के फेरान कोरोमिनास और मैनुएल लेंजारोते की जोड़ी को अब तक बखूबी रोके रखा है।लेंजारोते को कई खिलाड़ी रोक रहे थे लेकिन इसके बावजूद वह चेन्नई के खिलाफ पहले चरण में गोल करने में सफल रहे थे। गोवा की टीम ने जब लीग स्तर पर चेन्नई का दौरा किया था तब उसने शुरूआती 45 मिनट में ही तीन गोल कर दिए थे। इसे देखते हुए गोवा के आगे जाने की सम्भावना बनती है।

गोवा के कोच सर्गियो लोबेरा ने कहा, ''हम जानते हैं कि हमारा सामना एक कठिन टीम से होने जा रहा है। जब हम लीग स्तर पर इस टीम के खिलाफ खेले थे, तब यह अलग थी। हम आने वाली चुनौती के लिए तैयार हैं और यह मानकर चल रहे हैं कि हमारा सामने एक बेहद मजबूत टीम से होने जा रहा है।'' गोवा को निलम्बन के बाद वापसी कर रहे गोलकीपर नवीन कुमार के आने से मजबूती मिलेगी। जमशेदपुर एफसी के खिलाफ उन्हें रेड कार्ड मिला था और उससे पहले तीन मैचों में उन्होंने कई शानदार बचाव किए थे। उसी मैच में मिडफील्डर हुगो बोउमोस चोटिल हो गए थे लेकिन अब वह लौट आए हैं। लोबेरा ने दोनों खिलाड़ियो की वापसी की पुष्टि की।कोच ने कहा, ''हम जीत के लिए खेलेंगे और वैसे ही खेलेंगे, जैसे अब तक खेलते आए हैं। हमारी शैली वैसी ही होगी, जैसी जमशेदपुर के खिलाफ थी। हमें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी लेकिन हमने जीत के साथ आगे का सफर शुरू किया।''

तीनों विभागों में बेहतर प्रयास करने की जरूरत: हरमनप्रीत कौर

वडोदरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कार्यवाहक कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीन मैचों की सीरीज के शुरूआती मैच में आस्ट्रेलिया से मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद कहा कि सभी खिलाड़ियों को खेल के तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत को पहले मैच से पहले ही करारा झटका लगा क्योंकि कप्तान मिताली राज बीमार होने के कारण इसमें नहीं खेल सकीं। हरमनप्रीत ने कहा, ''हमारे लिये दिन काफी कठिन रहा। हम अच्छा क्रिकेट नहीं खेले और इसलिये जीत के हकदार नहीं थे। वह (मिताली राज की अनुपस्थिति) हमारे लिये अहम खिलाड़ी है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमें खुशी है कि निचले मध्यक्रम ने अच्छी बल्लेबाजी की। हमने बोर्ड पर अच्छा स्कोर नहीं बनाया था और फिर हमने मैदान के अनुसार गेंदबाजी भी नहीं की। पूजा वस्त्राकर दक्षिण अफ्रीका में अच्छा खेली थी और आज भी उसने अच्छा प्रदर्शन किया।''

भारत-पाक क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता पर चर्चा करेंगे सहवाग और शोएब

दुबई। मुल्तान के सुल्तान वीरेंद्र सहवाग और रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर अपने क्रिकेट कैरियर से जुड़े मैदान से बाहर के किस्से और भारत पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता के बारे में यहां चर्चा करेंगे। दोनों 22 मार्च को यहां पहले कलर्स क्रिकेट कांक्लेव में भाग लेंगे।

इसके बारे में इंडिया कास्ट के व्यवसाय प्रमुख (मध्य पूर्व और अफ्रीका) सचिन गोखले ने कहा ,''कलर्स क्रिकेट कांक्लेव 2018 का हमारा पहला कार्यक्रम है और हम इस अनूठी पहल को लेकर काफी उत्साहित हैं जिसमें दो प्रतिद्वंद्वी देशों से एक आक्रामक बल्लेबाज और एक महान गेंदबाज अपने अनुभव सुनायेंगे।''

पाकिस्तान में होगी विंडीज 20 सीरीज

कराची (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की पाकिस्तान में वापसी धीरे धीरे पटरी पर दिखाई दे रही है और उसकी मेजबानी में वेस्टइंडीज की टीम अप्रैल के पहले माह में तीन मैचों की ट्वंटी 20 सीरीज खेलने उतरेगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड(पीसीबी) के अध्यक्ष नजम सेठी ने बताया कि पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच कराची में यह सीरीज आयोजित की जाएगी।

वर्ष 2009 में लाहौर में श्रीलंका क्रिकेट टीम की बस पर हुये आतंकवादी हमले के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पाकिस्तान में लगभग ठप पड़ा है। इस घटना में मेहमान टीम के छह खिलाड़ियों सहित ब्रिटिश कोच घायल हुये थे और आठ पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी थी। इस घटना के बाद से ही पाकिस्तानी टीम अपने सभी घरेलू मैच संयुक्त अरब अमीरात में खेल रही है।

पाकिस्तान ने हालांकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी के लिये जिम्बाब्वे, विश्व एकादश और श्रीलंकाई टीमों की मेजबानी की है। यह सभी मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गये हैं। सेठी ने कहा यह अच्छी खबर है। वेस्टइंडीज ने कराची में एक, दो और चार अप्रैल को तीन ट्वंटी 20 मैचों की सीरीज खेलने पर सहमति दे दी है। कराची में 25 मार्च को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) का फाइनल भी खेला जाएगा। पीसीबी प्रमुख ने कहालाहौर में जिम्बाब्वे, पीएसएल-दो का फाइनल, आईसीसी विश्व एकादश और श्रीलंका के मैच खेले गये हैं। अब कराची की बारी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सुरक्षा सलाहकार रेग डिकासन पीएसएल फाइनल के दौरान कराची का दौरा करेंगे और उसी दौरान सुरक्षा का जायजा लेंगे। सेठी ने कहा आईसीसी के अधिकारी सात दिनों तक यहां रहेंगे और वेस्टइंडीज सीरीज के लिये सुरक्षा का जायजा लेंगे। पीसीबी प्रमुख ने साथ ही यह भी कहा कि उसे इस सीरीज से कोई वित्तीय फायदा नहीं होगा।

ज्योतिष के अनुसार अब तक का सबसे बड़ा विज्ञापन करार करेंगे कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्रिकेट में अपने सटीक भविष्यवाणी के लिएमशहूर ज्योतिषी नरेन्द्र बुंदे ने कहा कि भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली इस साल भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नये मानदंड कायम करना जारी रखेंगे और ऐसा विज्ञापन करार करने वाले है जिसे भारतीय खेल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सुना भी नहीं गया है।

पिछले साल जब लोग सीमित ओवरों में महेन्द्र सिंह धोनी के स्थान पर सवाल उठा रहे थे तब नागपुर के इस ज्योतिषी ने कहा था कि 36 साल के धोनी इंग्लैंड में2 019 में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। उनकी ताजा भविष्यवाणी यह है कि कोहली 2025 तक टी20 विश्व कप और एकदिवसीय विश्व कप का विजेता बनने के साथ सचिन तेंदुलकर के सौ शतकों के रिकार्ड को तोड़ देंगे। बुंदे ने कहा, '' अब तक मेरी सारी भविष्यवाणी सही रही है। मैं देख सकता हूं कि विराट 2025 तक टी 20 और एकदिवसीय विश्व कप का खिताब जीतने के साथ तेंदुलकर के सौ शतकों के रिकार्ड को तोड़ सकते है।''

उन्होंने कहा, '' विराट इस साल बड़ी इंडॉर्समेंट डील करेंगे जैसा मार्क मैस्करेनहास के वर्ल्डटेल ने सचिन तेंदुलकर के साथ किया था। लेकिन इस करार में उन्हें तेंदुलकर से बहुत बड़ी रकम मिलेगी।'' तेंदुलकर 1990 के दशक में जब शानदार प्रदर्शन कर रहे थे, तब मैस्करेनहास ने सिलेब्रिटी मैनेजमेंट के मायने बदलते हुए इस क्रिकेट सितारे के साथ करोड़ों रुपये का करार किया था।

इसके अलावा उन्होंने दिग्गज सचिन तेंदुलकर की चोट से वापसी, भारत रत्न सम्मान, पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की वापसी और 2011 विश्व कप जीत की भी सही भविष्यवाणी की थी। इस बार नरेंद्र ने कहा है कि विराट की कप्तानी में टीम इंडिया का विदेशी धरती पर सफलता हासिल करने का समय आ गया है। बुंदे से कई क्रिकेटर सलाह ले चुके है जिसमें गांगुली, मुरली कार्तिक, एस. श्रीसंत, जहीर खान, गौतम गंभीर और सुरेश रैना शामिल है।

सूरत। 10वीं, 12वीं के विद्यार्थियों को मांगलिक चंदन और मुंह मीठा करा कर परीक्षा हॉल में प्रवेश करते आर.सी.सी के अधिकारी।

महिलाओं ने सजधज कर की दशा मां की पूजा

सूरत। हिन्दू धर्म में दशा माता की पूजा एवं वृत करने का विधान है। आज भोर में सुहागिन महिलाओ ने शादी का जोड़ा पहन कर श्रृंगार करके दशा का पूजन करने घर से निकली। महिलाए सुबह तीन बजे से पीपल की पूजा करने सज धज कर नए परिधान में नई नवेली दुल्हन की तरह माँ दशा को धोक लगाने और पूजन करने चल पड़ी। गौरतलब हैं कि दशा माता की आराधना करना सभी के लिए अनिवार्य है। प्राचीन ग्रंथो में ऋषि-मुनियो ने अपने अनुभव से सिद्ध किया है कि जब मनुष्य की दशा ठीक होती है, तब उसके सब कार्य अनुकूल होते है किन्तु जब प्रतिकूल होती है तब सभी कार्य प्रतिकूल होते है। दशा घर की दशा का संचालन करती है।

आज शहर में महिलाओ ने सुबह से पूजा अर्चना करने के लिए जहा भी पीपल वृक्ष उपलब्ध हुआ , वहा पर माता की आराधना शुरू कर दी। घर में शांति के लिए महिलाओ ने रोली ,मौली ,सुपारी ,चावल ,दीप ,नैवेध,धुप और अगरबत्ती जला कर दशा माता की आराधना की है। सफ़ेद सूत का धागा पीपल के चारो तरफ परिक्रमा करके बांधा जाता है। महिलाए एक जगह बैठ कर दशा माता वार्ता सुनती है।

सूरत। ए.पी.एम.सी के डायरेक्टर संदीप देसाई का स्वागत करते हुए सचिन विस्तार के आर.सी.सी प्रमुख प्रकाश भावसार।

ब्याज खोरो से जनता परेशान

सूरत। भारत मे हर साल लाखो ग़रीब ,सूद (ब्याज खोरी) के लानत से मर रहे है। और यह सिर्फ़ पाँच या दस साल की बात नही बल्कि हज़ारो साल से भारत बर्ष मे लोग सेठ बनिया , साहूकार,और दबंग लोगो द्वारा ब्याज खोर ब्यावस्था से अभिशापित हो कर जुल्म सह रहे है। आज उन के लिए भारत मे सूद/ ब्याज रहित व्यवस्था अर्थात इस्लामी बँकिंग करोड़ो लोगो के लिए, खुशी का सोगात लेकर आ गयी है। ताज़ा आकड़े बताते है कि भारत के नागरिक जो बैंक मे (जो ब्याज आधारित संस्थान मे) पैसा जमा करते है , उतना पैसे(97 %) का औसतन कर्ज़दार भी हो चुके होते है अर्थात बैंक पैसा जमा करने वालो से ही, लाभ देने के बजाय उल्टा पैसा छीन लेती है । इसके विपरीत जो लोग ब्याज आधारित व्यवस्था से दूर रहते है उन के उपर क़र्ज़ 47% से ज़्यादा नही है। भारत मे हर साल लाखो ग़रीब ,सूद (ब्याज खोरी) के लानत से मर रहे है। और यह सिर्फ़ पाँच या दस साल की बात नही बल्कि हज़ारो साल से भारत बर्ष मे लोग सेठ बनिया , साहूकार,और दबंग लोगो द्वारा ब्याज खोर ब्यावस्था से अभिशापित हो कर जुल्म सह रहे है। आज उन के लिए भारत मे सूद/ ब्याज रहित व्यवस्था अर्थात इस्लामी बँकिंग करोड़ो लोगो के लिए, खुशी का सोगात लेकर आ गयी है। ताज़ा आकड़े बताते है कि भारत के नागरिक जो बैंक मे (जो ब्याज आधारित संस्थान मे) पैसा जमा करते है , उतना पैसे(97 %) का औसतन कर्ज़दार भी हो चुके होते है अर्थात बैंक पैसा जमा करने वालो से ही, लाभ देने के बजाय उल्टा पैसा छीन लेती है । इसके विपरीत जो लोग ब्याज आधारित व्यवस्था से दूर रहते है उन के उपर क़र्ज़ 47% से ज़्यादा नही है।। पुख्ता कानून और नियम होने के बाद भी शहर में सूदखोरों के जाल में फंसे सैंकड़ों परिवारों को कोई राहत नहीं मिल पा रही है। छुटभैये,गुंडे, कुछ पुलिसवालों के करीबी और दुकान खोलकर व्यापार की आड़ में ब्याज का धंधा कर रहे सूदखोरों पर नकेल कसने के लिए पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई में रसूखदारों की भूमिका भी आड़े आ रही है। 10 से 40 प्रतिशत तक ब्याज वसूली से पीड़ित परिवारों के सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। ब्याजखोरों से परेशान होकर जान देने या जहर खाने के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। पुलिस ने ताजा मामले में कार्रवाई करते हुए उन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया लेकिन कई मामलों में पुलिस तक शिकायत नहीं पहुंच पाती। वजह यह भी है कि सूदख़ोर कई बार बाजार में पुलिसवालों और राजनेताओं के साथ बैठक करते हुए दिखाई देते हैं। इसमें से कुछ तो पुलिसवालों के बेहद करीबी भी हैं। ऐसे में पीड़ित व्यक्ति इनकी शिकायत करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता। पासबुक, एटीएम और चेक रखते हैं ब्याजखोर राशि देने के साथ ही पीड़ित से कई ब्लैंक चेक, एटीएम कार्ड व बैंक की पासबुक तक रख लेते हैं।

शासकीय सेवक होने पर वेतन खाते में जमा होते ही एटीएम या चेक लगाकर राशि सीधे सूदखोर निकाल लेते हैं। इसके चलते वेतन वाले दिन बैंकों के आसपास ब्याजखोरों की जमात दिन भर खड़ी दिखाई देती है। सूदखोरों का ब्याज 10 से 40 प्रतिशत तक होता है वहीं प्रतिदिन की किस्त तय करने के बाद नहीं देने पर पैनल्टी के नाम पर अलग से वसूली की जाती है। जमा राशि का सबूत नहीं ब्याजखोर सीधे एटीएम से राशि निकाल लेते हैं जिसके चलते पीड़ित व्यक्ति के पास ब्याज के रूप मे जमा की गई राशि को लेकर कोई सबूत नहीं रहता। शिकायत करने पर ब्याजखोर मामले से पल्ला झाड़ लेते हैं और ब्लैंक चेक में मनमानी रकम भरकर किसी अन्य करीबी के नाम से बैंक में लगाकर बाउंस कराने के बाद कोर्ट में केस लगा देते हैं। इससे पीड़ित दोहरी परेशानी में पड़ जाता है। कई पीड़ित हैं शहर में रेलवे सहित अन्य शासकीय उपक्रमों में काम करने वाले कर्मचारी, छोटे व मध्यम व्यापारी, निजी क्षेत्र में नौकरीपेशा आदि में कई लोग ब्याजखोरों के चंगुल में फंसे हुए हैं। ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण कई बार पीड़ित आत्महत्या करने जैसा कदम भी उठा चुके हैं। लायसेंस लेना जरूरी नियमानुसार ब्याज पर पैसा चलाने के लिए नगर निगम व प्रशासन से लायसेंस लेना जरूरी है। इसमें भी ब्याज भी बैंक ब्याज दर से अधिक नहीं वसूला जा सकता। इसके विपरीत शहर में लायसेंस लिए बगैर भी यह गोरखधंधा चल रहा है और इक्का दुक्का ने लायसेंस लिए भी हैं तो वे मोटा ब्याज वसूल रहे हैं।

शहर में ब्याजखोरों ने मनमानी कर रखी है।

जवाब : शिकायत प्राप्त होने पर दोषियों पर कार्रवाई की जाती है। इसके लिए एक नई डेस्क भी आरंभ की है और शिकायतकर्ता सोशल साइट फेसबुक पर भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है।

ब्लैंक चेक लेकर पीड़ित पर दबाव बनाया जाता है।

जवाब : पीड़ित को भी चाहिए कि वह सूदखोरों के जाल में न फंसे। कई बार जरूरतमंदों का फायदा उठाया जाता है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई के बाद न्याय दिलाने का पूरा प्रयास किया जाता है। कई मामलों में तो पुलिसवालों के करीबी ही इसमें लिप्त हैं।

जवाब : ऐसे मामले भी मेरे सामने आए हैं, इनमें जांच की जाएगी और कर्मचारियों की संलिप्तता मिलने पर ठोस कार्रवाई होगी।

जमा राशि का सबूत नहीं देते फिर पीड़ित क्या करे।

जवाब : आरोपी कभी सबूत नहीं देता। शहर में 10 व 20 फीसद का गोरखधंधा है उसमें शातिर लोग शामिल है। इस संबंध में पीड़ित सीधे हमसे संपर्क कर शिकायत कर सकते हैं।

ई-वे-बिल से कपड़ा कारोबार प्रभावित

वैवाहिक व मांगलिक आयोजन शुरू होने के बावजूद कारोबार घटा

सूरत। कपड़ा मार्केट बीते आठ नवंबर 2016 को नोटबंदी के बाद से आज तक मंदी के दौर से जूझ रहा है। मोदी सरकार ने नोट बंदी के बाद 30 जून आधी रात से जीएसटी लागू कर एक बार मंदी से उबर रहे कपड़ा कारोबार को फिर से मंदी के दौर से गुजरने के लिए विवश कर दिया। कपड़ा कारोबारी अभ्भी जीएसटी के पेचों के उलझन से निकल नहीं पाए थे तभ्भी सरकार ने ई-वे-बिल अनिवार्य कर दिया। सरकार द्वारा आगामी 15 अप्रैल से चार राज्यों में ई-वे-बिल लागू करने का निर्देश जारी किया गया है। यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों में वैवाहिक व मांगलिक कार्य शुरू होने के बाद भ्भी वहां के ख्खुदरा व्यापारी ई-वे-बिल के चक्कर में ग्राहकी नहीं कर पा रहे हैं। जिससे सूरत स्थित कपड़ा मार्केट का कारोबार काफी कम हो गया है। सरकार को कपड़ा कारोबार को ध्यान में रख्खकर आईटीसी-04 से कपड़ा कारोबार से हटा लिया जाए।

लुम्स कारखानेदार के साथ दो कपड़ा दलालों ने की 83.99 लाख की ठगी

सूरत। शहर के मोटा वराछा यमुना चौक के पास बी-1204 रीवर हेवन में रहने वाले लुम्स कारखाना चलाने वाले कारखानेदार के पास से घोड़दौड़ रोड विस्तार के रहने वाले दो कपड़ा दलाल (व्यापारी) कीमती कपड़ा खरीदने के बाद विश्वास कायम करने के बाद 83,99,924 रुपए चुकता न करके विश्वासघात किया। जिसके बारे में कारखानेदार ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के मोटा वराछा रीवर हेवन बी-1204 यमुना चौक के पास रहने वाले प्रशांतकुमार धरमशीभाई पटेल के पास से घोड़दौड़ रोड अपार्टमेंट बी-903 में रहने वाले आरोपी आकाशराम बिला सजाजू, रामबिला सजाजू (दोनों निवासी-बी-903 मेघधनुष अपार्टमेंट सूर्य किरण गली, घोड़दौड़ रोड) विश्वास कायम करने के बाद 50 ग्राम वेलवेट नामक कपड़ा (कीमत-1,15,12,409 रुपए) खरीदे थे। जिसका 25 दिन में पेमेंट करने का वादा आरोपियों ने समय-समय पर प्रशांत को दिए और इस दौरान ही अंकुल नामक व्यक्ति भी प्रशांत के पास से यार्न कपड़ा 16,76,783 रुपए का खरीदा था। शहर के मोटा वराछा यमुना चौक के पास बी-1204 रीवर हेवन में रहने वाले लुम्स कारखाना चलाने वाले कारखानेदार के पास से घोड़दौड़ रोड विस्तार के रहने वाले दो कपड़ा दलाल (व्यापारी) कीमती कपड़ा खरीदने के बाद विश्वास कायम करने के बाद 83,99,924 रुपए चुकता न करके विश्वासघात किया। आरोपी आकाशराम और रामबिला ने कहा कि हम यह रुपया दे देंगे। जब उस रुपए के लिए आरोपियों से कहा तो वे 83,99,924 रुपए के अलग-अलग बैंकों के चेक दिए। जो बैंक में जमा करने पर वह बाउन्स हो गया। इसके बाद निकल रहे रुपए की मांग आरोपियों से कई बार करने पर भी दोनों ने रुपए चुकता नहीं करके विश्वासघात और धोखाधड़ी की है। प्रशांतभाई ने दोनों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस आकाश और रामबिला के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू की है।

एक मोबाइल स्नेचर पकड़ाया, दूसरा भाग निकला

सूरत। उधना बस डिपो के सामने सचिन रोड पर बाइक सवार तीन युवकों के हाथ से अन्य बाइक सवार दो युवकों ने हाथ से मोबाइल झपट कर भागने लगे तो वे पीछा करके स्नेचरों में से एक को दबोच लिया, जबकि दूसरा भागने में सफल रहा।

घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार परवत गांव हरेकृष्णा सोसाइटी घर नं. 69 में रहने वाले मुकेशभाई गोमाराम चौधरी रविवार को देर शाम 10 बजे के करीब अपने भाई तथा मित्र मांचाराम के साथ बूट खरीदने के लिए बाइक से जा रहे थे। उसी समय उधना डिपो के पास उधना सचिन रोड पर पीछे से बाइक पर आए दो अन्य युवकों ने मुकेश के भाई मोहन के हाथ से ओपो मोबाइल झपट कर भागने लगे। जब इन लोगों ने लुटेरों का पीछा करके पकड़ लिए तो मुकेश और उसके साथी पर कटर जैसे घातक हथियार से स्नेचर हमला करके घायल कर दिए। तभी मोबाइल नीचे गिरने के कारण मिल गया। जबकि दोनों तरफ से हुई झपा-झपी में एक लुटेरा तो फरार हो गया। जबकि अन्य एक पांडेसरा पानी की टंकी के पास एलआईजी 432 का रहने वाला विवेक उर्फ टिकु उर्फ भवानी रामधीरज शुक्ला को मोटरसाइकिल के साथ पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पांडेसरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

उधना एसबीआई का एटीएम तोड़कर चोरी करने का प्रयास

सूरत। उधना क्षेत्र के सोनल इंडस्ट्रीज के सामने चीकूवाड़ी के पास एसबीआई बैंक के एटीएम को चोरों ने कटर के जरिए तोड़ कर उसमें रखे गए रुपए को चोरी करने का प्रयास किया। वहां पर लगे सीसीटीबी कैमरे में कैद फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों को पकड़ने के लिए कवायद तेज कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उधना विस्तार के चीकूवाड़ी रोड बीआरसी चौकी के पास सोनल इंडस्ट्रीज के सामने प्लॉट नं. 60, दुकान नं.1 में एसबीआई का एटीएम लगाया गया है। एटीएम में भरे गए रुपए की चोरी करने के लिए किसी चोरों ने गत रोज किसी समय अंदर प्रवेश करके एटीएम को किसी कटर जैसे साधन से तोड़ने का प्रयास किया। घटना के संदर्भ में बैंक कर्मचारी द्वारा चोरों के खिलाफ उधना पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके एटीएम स्थल पर लगे सीसीटीबी में कैद फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सूरत। आज गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक गांधीनगर शिक्षा बोर्ड की सामान्य प्रवाह और विज्ञानं संकाय की परीक्षा का शुभारंभ हुआ। छात्र-छात्राएं वीआईपी रोड थोमस विधालय से परीक्षा देकर परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते हुए। गुजराती पेपर सरल होने से विधार्थियो की ख़ुशी चेहरे पर साफ झलक रही है।

पांडेसरा के युवक ने लागाई फांसी

सूरत। पांडेसार के चीकूवाड़ी आविर्भाव सोसाइटी में रहने वाला युवक फांसी लगाकर आत्महत्या की कोशिश की,उसे इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।पांडेसरा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पांडेसरा विस्तार के चीकूवाड़ी आविर्भाव सोसाइटी-1, प्लॉट नं. 772 में रहने वाले ईश्वरभाई सांगले के बेटे निलेश (23 वर्ष) ने रविवार को दोपहर के समय अपने घर में फांसी लगा आत्महत्या का प्रयास किया। जिसको इलाज के लिए यशपीन अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर डाक्टरों ने जांच करने के बाद निलेश को मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में पांडेसरा पुलिस को जानकारी होने पर पुलिस स्थल पर पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है।

श्री श्याम बाबा का सजा अलौकिक दरबार

अखण्ड ज्योत पाठ के दौरान जमकर हुई इत्र व पुष्पों की वर्षा

सूरत। लखदातार सेवा संघ की ओर से श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ का आयोजन बीते दिन सुबह 10 बजे से नवसारी के दंडेश्वर गांव स्थित श्री कृष्ण कामधेनु गौशाला परिसर में किया गया। महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदास जी महाराज के सानिध्य में बाबा श्याम का अलौकिक दरबार सजाकर अखण्ड ज्योत अनिल पंसारी द्वारा प्रज्ज्वलित की गई। ज्योत प्रज्ज्वलन के बाद स्थानीय कलाकार पवन मुरारका व राकेश अग्रवाल द्वारा बाबा श्याम के जीवन चरित्र पर आधारित श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ किया गया। पाठ के दौरान विभिन्न प्रसंगों पर भजनों के अलावा इत्र और पुष्प वर्षा की गई। पाठ के पश्चात भक्तों ने

महा प्रसाद पाई। गौशाला तक जाने के लिए संघ द्वारा बस की व्यवस्था की गई थी। इस दौरान संघ के चंद्र शेखर भगेरिया, शरद मस्कर रामोतरा, विमल अग्रवाल, वरूण नेवटीया सहित काफी तादाद में श्री श्याम भक्त मौजूद रहे।

एक्सीलेंट किड्स नर्सरी स्कूल के रंगारंग कार्यक्रम में बच्चों का बढ़ाया हौसला

सूरत। एक्सीलेंट किड्स नर्सरी स्कूल प्रांगण में आज तृतीय वार्षिकोत्सव में बच्चो ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। व्रजधाम गोडादरा स्थित स्कूल में आज अनेक प्रतियोगिता का आयोजन किया है। छोटे-छोटे नन्हे बच्चो के तोतली जुबान से गीत ,संगीत और नृत्य से अभिभावकों ,टीचर और उपस्थित मेहमानो को खुश कर दिया। तृतीय वार्षिकोत्सव में कराटे के गुर सिखाय और हेल्थ टिप्स के बारे में भी बताया। बच्चो को अपने पेरेंट्स,टीचर और अपनों से बड़ो से कैसे आदर से पेश आना है ,इस तरह की प्रैक्टिश जानकारी दी। स्कूल संचालक ओम प्रकाश अग्रवाल और प्रधानाचार्य मुक्ता अग्रवाल ने बच्चो को सेल्फ डिफेंस की बात पर जोर दिया। इस अवसर , पार्षद अमितभाई राजपूत,पूर्व पार्षद राजू अग्रवाल,कल्पेश रावल आदि उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com